

**लूकस 2:41-51**

**MARY TREASURED EVERYTHING IN HER HEART**

आज के सुसमाचार में माता मरियम के निष्कलंक दिल के बारे में बताता है। पास्का पर्व के लिए संत युसुफ मरियम और येशु येरूसालेम गये। पर्व समाप्त होने पर वे लौट पड़े परंतु येशु माता-पिता के अन्जाने में येरूसालेम रह गया। दुखी होकर ढूँढते-ढूँढते माता-पिता येरूसालेम वापस आते और येशु को मंदिर में पाते हैं। तब माता मरियम येशु से पूछी तुमने हमारे साथ ऐसा क्यों किया ? येशु ने कहा "मुझे ढूँढने की जरूरत क्या थी,क्या आप यह नहीं जानती कि मैं निश्चय ही अपने पिता के घर होऊंगा?"

जीवन में चाहे कुछ भी हो जाये, बाते समझ से परे हो तब माँ मरियम ईश्वर की प्रार्थना में सामने हाथ जोड़ती है। यह है माँ का निष्कलंक दिल। येशु का यह कथन माँ को समझ में नहीं आया, फिर वह अपने दिल में रखती है, क्योंकि माँ को मालूम है एक दिन उसका अर्थ मुझे मिलेगा। संत लियो कहते हैं 'अपने गर्भ में येशु को स्वीकार करने के पहले माँ मरियम अपने दिल में विश्वास और प्यार से स्वीकार किया था। विश्वास हमेशा माँ को आगे ले चलता था। क्या माँ के दिल जैसा विश्वास हम में है ?

**Rev. Fr. Ebin Uppukandathil**

**©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019**